



Original Article

**21 वीं सदी के हिंदी कविता में चित्रित समस्यामूलक विमर्श - युवकों की समस्याएँ
 (कवि अनाम - डी कविताओं के विशेष संदर्भ)**

प्रा. शमा बाबुभाई शेख

हिंदी विभाग,

महिला महाविद्यालय, कराड जि. सातारा.

Manuscript ID: IJAAR-C130351
 ISSN: 2347-7075
 Impact Factor – 8.141

Volume - 13
 Issue - 3
 January – February 2026
 Pp. 255 - 259

Submitted: 02 Feb. 2026
 Revised: 10 Feb. 2026
 Accepted: 15 Feb. 2026
 Published: 28 Feb. 2026

Corresponding Author:
 प्रा. शमा बाबुभाई शेख

Quick Response Code:



Website: <https://ijaar.co.in/>



DOI: 10.5281/zenodo.22786452

DOI Link:
<https://doi.org/10.5281/zenodo.22786452>



Creative Commons



सार:

हिंदी कविता हिंदी साहित्य की एक समृद्ध विधा है। जो लगभग 1000 वर्षोंसे भावनाओं, विचारों और सांस्कृतिक - सामाजिक चेतना को लयबद्ध अभिव्यक्ति दे रही है। यह आदिकाल के वीरतापूर्ण दोहो से शुरु होकर भक्तिकाल, रीतिकाल से गुजरते हुए आधुनिक समय में मुक्तछंद और प्रयोगवादी धाराओं तक विकसित हुई है। 1900 ई में आधुनिक काल के कवियों ने अपने काव्य के माध्यम से हर समस्याओं के बारे में यथार्थ चित्रण किया है। प्रस्तुत कविता में समाज जीवन की यथार्थता, शोषण, दर्द समस्याओं का यथोचित चित्रण करने का प्रयास किया है। कविता चंद शब्दों की होती है, मगर उसके घाव गंभीर होते हैं। ठीक उसी तरह 'कवि अनाम-डी के "सँभल जाओ" और "सच कहीं खो न जाए" इन कविता के माध्यम से कवि दिलीप कुमार कसबे ने जीवन के प्रति आस्था, यथार्थता, शोषण, युवकों की समस्या, परिवर्तित परिस्थितियों के साथ शैक्षणिक, सामाजिक परिवर्तन का चित्रण किया है। इस काव्य-संग्रह के माध्यम से जीवन के तमाम विषयों पर कविता-लेखन का प्रयास किया है। मनुष्य को सामने रखकर उसके भाव और भावनाओं से जुड़े रहकर काल्पनिकता से हटकर वैज्ञानिकता और यथार्थता की बात करती हुई अधिकतर उनकी कविताएँ मिलती हैं।

मुख्य शब्द: युवक, समस्या, संघर्ष, मानसिकता, समता, शिक्षा, तनाव.

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)

This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International License (CC BY-NC-SA 4.0), which permits others to remix, adapt, and build upon the work non-commercially, provided that appropriate credit is given and that any new creations are licensed under identical terms.

How to cite this article:

प्रा. शमा बाबुभाई शेख. (2026). 21 वीं सदी के हिंदी कविता में चित्रित समस्यामूलक विमर्श - युवकों की समस्याएँ (कवि अनाम - डी कविताओं के विशेष संदर्भ). International Journal of Advance and Applied Research, 13(3), 255 - 259. <https://doi.org/10.5281/zenodo.22786452>

प्रस्तावना:

कविता कवि के अंतर्मन की वैचारिक अनुगुंज होती है। "कवि अनाम-डी (दिलीपकुमार कसबे) के 'सँभल जाओ'

प्रथम संस्करण 2024 और "सच कहीं खो न जाए" प्रथम संस्करण 2025 में कविताओं के माध्यम से जीवन की विभिन्न भावनाओं और युवकों के समस्याओं को छूने का प्रयास किया



है। - जैसे - रिश्तों की समस्या, बेरोजगारी, अनिश्चित भविष्य, शैक्षणिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता की कमी, युवकों की समस्या - (नौकरी समस्या- आर्थिक समस्याएँ - विवाह की समस्याएँ - जीवन की सच्चाई, हजारों-करोड़ों लोगों की हीन दशा का चित्रण भी इन कविता में दिखाई देता है। "कवि अनाम डी- (दिलीपकुमार कसबे) प्रस्तुत काव्यसंग्रह "सँभल जाओ" प्रथम संस्करण 2024 और "सच कही खो न जाए" प्रथम संस्करण 2025 में विचारों को प्रस्तुत करने, व्यक्त करने का एक प्रभावी माध्यम पाठकों के सामने रखने का प्रयास किया है। उनकी रचनाओं में भावों की व्यक्तिगत आवाजें, काव्य की यह आहट स्पष्टता से दिखाई देती है।

विषय प्रवेश:

"कवि अनाम-डी" के "सँभल जाओ" काव्य संग्रह में प्रथम संस्करण 2024 में समाज और सामाजिक व्यवहारों को गहराई से स्पष्ट किया है। "टूटना और जुड़ना जीवन का एक ऐसा क्रम है, जो सही रूप में आदमी को देता है। प्रस्तुत काव्यसंग्रह में युवकों के समस्याओं को लेकर साथ ही युवकों की हालत देखकर कवि ने 'रोजगार, भ्रष्टाचार, कोरोना-1, शोषण-1, जैसे अन्य काव्य के आधार पर युवकों की समस्या का चित्रण किया है। मनुष्य को जीवन व्यतीत करते समय मानवीय गरिमा और अस्मिता के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ता है। साथ ही साथ "सच कही खो न जाए" जीवन के तमाम विषयों के साथ आज के पिढ़ी की हालत प्रस्तुत की है।

साहित्य समाज के अच्छे और बुरे दोनों मूल्यों को दर्शाता है। अच्छे मूल्यों को दर्शाते हुए वह हमें समस्याओं को सुधारने और हल करने के लिए प्रेरित करता है। समाज में अच्छे मूल्यों को दर्शाते हुए हमें अनुकरण करने के लिए प्रेरणा देता है। साहित्य लोगों को सोचने कहने और करने की तस्वीर प्रस्तुत करता है। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी के सामने मुख्य समस्याओं में शिक्षा, उच्च बेरोजगारी, मानसिक स्वास्थ्य

संबंधी चुनौतियाँ और कौशल आधारित शिक्षा की कमी शामिल है। इसके अलावा सोशल मीडिया का अत्याधिक प्रयोग नशाखोरी, सामाजिक-आर्थिक दबाव और सही मार्गदर्शन न मिलना उसी कारण सर्वांगीण विकास में बाधाएँ आती है।

युवा किसी भी राष्ट्र का भविष्य होते हैं। वे देश के आर्थिक, सामाजिक, और राजनीतिक विकास की प्रेरणाशक्ति हैं। हालांकि उन्हें कई चुनौतियों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

"दुनिया को है विश्वास अपार, तभी तो बात चलती है बारबार

रोक लगाओं उनके समस्याओं पर वरना

हो जायेगा प्रहार पीठ पर।"

उपयुक्त पंक्तियों से ऐसा महसूस होता है कि दुनिया विश्वास की समस्याओं का हल निकाल सकती है। लेकिन बेरोजगारी, नशीली दवाओं का असर, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ और समाज साथियों का दबाव शामिल है। युवाओं की विभिन्न चिंताओं और उनके समाधानों पर चर्चा करेंगे।

शैक्षणिक तनाव:

युवा और किशोर शैक्षणिक तनाव से जुड़ते हैं, खासकर जब शैक्षणिक सफलता के लिए प्रतियोगिता तीव्र होती है। जो किशोर शैक्षणिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करने के दबाव का सामना करता है। वे चिंता, तनाव, और थकावट का अनुभव कर सकते हैं।

हमें ऐसा लगता है आज के समय में एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है। जब पढ़ाई परीक्षा करियर की चिंता माता-पिता की अपेक्षाएँ या प्रतियोगिता का दबाव किसी युवक के मन और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है उसे शैक्षणिक तनाव कह सकते हैं।

परीक्षा में अच्छे अंक लाने का दबाव, माता-पिता और समाज की अपेक्षाएँ प्रतियोगी परीक्षाओं की तीव्र



प्रतिस्पर्धा, असफलता का डर, समय प्रबंधन, सोशल मीडिया इसका परिणाम चिड़चिड़ापन और गुस्सा, नींद न आना, आत्मविश्वास की कमी, पढ़ाई में मन न लगना, सर दर्द या थकान, निराशा या अवसाद जैसे भाव का निर्माण होना। वैसा देखा जाये तो शैक्षणिक तनाव असामान्य नहीं है लेकिन उसे अनदेखा करना खतरनाक हो सकता है। सही मार्गदर्शन, संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक सोच से प्राप्त हो सकती है।

किशोरी की उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और उनके जीवन के अन्य पहलुओं जैसे की सामाजिक और शारीरिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व के बारे में बताना चाहिए। उन्हें अत्यधिक बोझ महसूस हो तो उन्हें सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्हें परामर्श और विनाम तकनीकों जैसे उपकरण और सहायता प्रदान करके उनके तनाव और चिंता को प्रबंधित करने में उनकी सहायता करें।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ:

आज के युवाओं में अवसाद, चिंता और तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आम हैं। शिक्षा, करियर और व्यक्तिगत जीवन में सफलता का दबाव उनके मानसिक, स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और विभिन्न शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है।

आज के आधुनिक और प्रतिस्पर्धी युग में अनेक युवक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। तेज जीवन शैली, करियर का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएँ, सामाजिक तुलना और अकेलापन इन सभी कारण युवकों के मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। अत्यधिक तनाव और प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी और करियर को लेकर अनिश्चितता, पारिवारिक संबंधों में तनाव, सोशल मीडिया के कारण तुलना और हीन भावना, असफलता का डर, भावनात्मक समर्थन की

कमी होती है। उदासी या निराशा, चिड़चिड़ापन, गुस्सा, नींद की कमी, आत्मविश्वास में गिरावट, आत्महत्या करने की गंभीर स्थिति में सहानुभूति, सही समय पर मदद और समझ से जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है।

युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचना आवश्यक है। स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को परामर्श और सहायता प्रदान करने के लिए काउंसलर और मनोवैज्ञानिक होना चाहिए। इसमें सरकार को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करनेवाले संगठनों को वित्त घोषित करना चाहिए।

एकाग्रता की कमी:

सोशल मीडिया, वीडियो गेम और स्ट्रीमिंग सेवाओं जैसे कई विकर्षणों के कारण युवाओं को पढ़ाई या काम जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता की आवश्यकता होती है।

मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग लगातार डिजिटल नोटिफिकेशन गेम आदि से एकाग्रता की कमी स्पष्ट होती है। स्पष्ट लक्ष्य का अभाव, मानसिक दबाव और तनाव अनुशासन ही दिनचर्या जैसे स्थिति से युवकों की एकाग्रता की कमी दिखाई देती है।

इस समस्याओं को निपटाने के लिए नियमित ब्रेक लेने और स्कीम टाइप करने की आवश्यकता है। साथ ही युवा अपनी दिनचर्या को छोटे छोटे सकारात्मक बदलाव करे तो वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

रिश्तों की समस्याएँ:

आज के युवाओं को पिछली पीढ़ियों की तुलना में रिश्तों के टूटने का अधिक खतरा है। सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स के प्रचलन ने लोगोसे मिलना जिससे संचार में



रुकावट और संघर्ष होता है। प्रतिबद्धता की कमी, धोखा देना और भरोसे से जुड़ी समस्याएँ भी युवाओं के बीच रिश्ते को टूटने के आम कारण हैं। स्थायी रिश्ते बनाने के लिए युवाओं को संचार, प्रतिबद्धता और आपसी सम्मान को सीखना चाहिए।

जब रिश्ता टूटता है तो युवाओं के लिए विशेषरूप से चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कठिन समय में विशेष रूप से निपटाने के लिए संवाद, समझ बेहद जरूरी है।

"इंतजार उधर कोई न करता प्रतीक्षा में कोई
भूखा न रहता दिल से कोई उधर न चाहता
भाइयों का परिवार अलग जो दिखाता।" ²

रिश्तों के टूटने से युवाओं पर गहरा असर होता है। यह समय चुनौतीपूर्ण लगता है। इसमें एक दूसरे से संवाद वार्तालाप की आवश्यकता होती है।

भ्रष्टाचार:

भ्रष्टाचार की वजह से युवा पीढ़ी पूरी तरह से खोखली बन गई है। आज हर जगह पर भ्रष्टाचार का बोलबाला दिखाई देता है। इस बात को स्पष्ट करते समय

"सुना वह दिखता नहीं कहीं
मगर जहाँ नोट उसकी जगह वही
"दफ्तर के बाहर साइन बोर्ड
घूस देना गलत
यहाँ सबको तनख्वाह
नहीं चलता लेना देना
पैसे देना मना है।" ³

उपयुक्त पंक्तियों का स्पष्टीकरण इस बात की गवाही देता है जहाँ नोटों की गड़्डी पड़ेगी वहाँ काम जल्दी बनता है। युवाओं पर इसका गहरा असर पड़ता है।

अक्सर मनुष्य को अपनी जिंदगी अकेले ही सही ढंग से जीनी पड़ती है। मनुष्य को हर समस्याओं का अकेले ही सामना करना पड़ता है।

"अकेले ही चलते रहना ध्यान रखना

चारों तरफ खचाखच भीड़
जब तक दूसरों के काम आओगे
खुद की जेब खाली करते रहेंगे
तब तक लोग तुम्हारा साथ देंगे।" ⁴

बेरोजगारी:

आज युवाओं के सामने सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक बेरोजगारी है। रोजगार के अवसरों की कमी वैश्विक स्तर पर युवाओं को प्रभावित करती है। कई युवा अपने शिक्षा पूरी करने के बाद भी उपयुक्त रोजगार खोजने की मदद आवश्यक करते हैं।

"सपना है रोजगार मिलेगा,
जो नहीं है उसपर खर्च करेगा
उसको ही सबकुछ माँगेगा
जो है उनका सम्मान कब होगा।
आपकी दुगीती कौन रोकेगा।
सुख देनेवाली की यही दशा रही
तो आपको न्याय कब मिलेगा
रोजगार ढूँढ़ना होगा।" ⁵

कवि यहाँ पर यह कहना चाहते हैं कि - हर युवक का एक सपना है - अच्छी जिंदगी व्यतीत करेंगे। रोजगार मतलब पढ़े-लिखे युवकों को अच्छी नौकरी मिलेगी। वह पाने के लिए उसपर खर्च करके उसको सम्मान कौन देगा? इस समस्या के कारण समाज में गरीबी, अपराध और मादक पदार्थों के प्रयोग उसी से कई सामाजिक समस्याओं का जन्म होता है।

अनिश्चित भविष्य:

आज के युवाओं के सामने एक अनिश्चित भविष्य है। तीव्र तकनीकी विकास और वैश्विक अर्थ-व्यवस्था ने एक



अस्थिर रोजगार बाजार को जन्म दिया है। पर्यावरणीय चिंताएँ और राजनीतिक अस्थिरता अनिश्चितता के ओर बढ़ रही है।

" एक बार बुखार का आना,
गले में दर्द का बढ़ना
खाँसी का फिर शुरू होना
साँस में तकलीफ का बढ़ना
मेडिकल में दवा न होना
कोविड के टेस्ट को जाना।"⁶

कोविड-19 महामारी ने इन चुनौतियाँ और बढ़ रही है। इसी कारण युवकों के अनिश्चित भविष्य के कारण समाज को अगली पीढ़ी को अधिक स्थिर और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए समर्थन और सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए।

अनुशासन हीनता और नैतिक पतन:

तकनीकी ज्ञान की ओर झुकाव होने के बावजूद मौलिक सोच, धैर्य और मेहनत की कमी देखी जा रही है। आज के समय में कई युवक अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। बदलती अर्थ व्यवस्था तेजी से विकसित होकर तकनीक और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने युवाओं के सामने कई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल आधारित शिक्षा, करियर परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आवश्यक है। सकारात्मक सोच, विकास कौशल्य, करियर मार्गदर्शन की आवश्यकता है। सही दिशा, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ युवा अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकते हैं।

निष्कर्ष:

इस प्रकार हम निष्कर्ष रूप से कह सकते हैं कि- 'कवि अनाम डी' के काव्य में युवकों के समस्याओं का यथार्थ चित्रण किया है। आर्थिक पराधीनता, भ्रष्टाचार, सांस्कृतिक -हास आदि का भी चित्रण हुआ है। कवि ने यथार्थ को अभिव्यक्त करके समस्याओं पर जोर दिया है। समाज तथा युवकों के समस्याओं का समाधान करके उज्ज्वल भविष्य निर्माण करने का हौसला दिया है। कवि ने नई पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सफलतापूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा दी है।

संदर्भ / सहाय्यक ग्रंथ:

1. अक्षरा पब्लिकेशन - E-ISSN 2582-5429 SJ IF Impact-5.67/ october-2024/special Issue /4 Volume (A) पृ. सं - 07
2. कवि अनाम डी (दिलीपकुमार कसबे) - "संभल जाओ" - प्रथम संस्करण 2024 - वान्या पब्लिकेशन 3A/127 आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता कानपूर 208021 - पृ. सं - 25
3. वही पृ. सं - 27
4. वही पृ. सं - 47
5. वही पृ. सं - 100
6. कवि अनाम डी (दिलीपकुमार कसबे) - "सच कही खो न जाए" - प्रथम संस्करण 2025 - वान्या पब्लिकेशन 2025/A-2122 आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता कानपूर 208021 - पृ. सं - 13
7. वही पृ. सं - 83